

आग्नेय चट्टानें :- श्वेदार चट्टानें होती हैं।

- इनमें परतों का विकास नहीं होता है।
- इनमें रासायनिक वियोजन के स्थान पर यांत्रिक एवं भौतिक अपक्षय अधिक होता है।

→ उदाहरण - ग्रेनाइट, बैसाल्ट, गैब्रो, डायोराइट, पिचस्टोन, पेग्माटाइट, प्युमिस आदि।

आग्नेय चट्टान

उत्पत्ति के आधार पर

रासायनिक संरचना के आधार पर

आंतरिक चट्टानें

बाह्य चट्टानें

अम्भीय चट्टान

क्षारीय चट्टान

पातालीय

मध्यवर्ती

ग्रेनाइट
बेसाल्ट

बैथोलाइट

लैकोलाइट, लेपोलाइट,
फैकोलाइट, सिल, शीट, डाइक

इनमें सिलिका की मात्रा 65 से 85% तक मिलती है।

eg. - ग्रेनाइट, रायोलाइट, प्चिस्टोन आदि।

इनमें सिलिका की मात्रा 45 से 55% तक होती है तथा

चूना, लौहा, मैग्नीशियम मिलता है।

eg. - बेसाल्ट, गैब्रो, डायोराइट

अवसादी चट्टानें :- सर्वप्रथम आग्नेय चट्टानों के अपरदन व अपक्षय से प्राप्त अवसाद से इनका निर्माण हुआ है

→ क्रस्ट का 75% भाग इन्हीं से निर्मित है क्रस्ट में आग्नेय चट्टानें लगभग 5% तक मिलती हैं।

→ ये परतदार, छिद्रयुक्त होती हैं।

→ इन चट्टानों में जीवाश्म पाये जाते हैं।

→ मुलायम प्रकृति।

eg.- चूना पत्थर, बलुआ पत्थर,
डोलोमाइट, सेंधा नमक,
जिप्सम, खडिया मिट्टी,
कौयला आदि।

③ कायान्तरित या रूपान्तरित
चट्टानें : - उच्च ताप व दाब
के प्रभाव से चट्टानें अपने
रासायनिक व भौतिक गुणों
में परिवर्तन कर लेती हैं।

eg. - दीरा, संगमरमर, अभक,
क्वार्ट्जाइट इत्यादि।

आग्नेय → रूपान्तरित

① ग्रेनाइट → नीस

② बेसाल्ट → एम्फीबोलइट, शिस्ट

अवसादी → रूपान्तरित

③ क्ले एवं शैल → स्लेट

④ चूना पत्थर → संगमरमर/मार्बल

⑤ चाँक व डोलोमाइट → संगमरमर

⑥ बलुआ पत्थर व काग्लोमेरेट → क्वार्ट्जाइट

7) विदुमिनस कोयला → ग्रेफाइट व हीरा

रूपान्तरित → पुनः रूपान्तरित

8) स्लेट → फाइलाइट

9) फाइलाइट → सिस्ट

10) गैब्रो → सर्पेन्टाइन